इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बुधवार, 18 नवम्बर 2026

मनुष्य अपनी सबसे अच्छी रचना में सभी जीवों में सबसे ऊपर होता है, लेकिन यदि वासनाएं और व्यसन उस से ले लो तो वो सबसे तुच्छ बन जाता है।
-अरस्तू

वर्ष 19 अंक 75 कुल 4-00 पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 28.3°C (-0.1) न्यूनतम 13.2°C(+0.5) सेंसेक्स 82,532.19 (-427.40) निफ्टी 25,387.40 (+96.30) सोना 1,36,200 चांदी 1,90,000 यूएस - डालर 93.44 दिरहम 25.44 रियाल 25.92

कला, साहित्य, शिक्षा, समाज सेवा व सूफी संगीत पर हुई चर्चा

⊙ दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी उर्दू कॉन्क्लेव में पहुंचे कई बुद्धिजीवी

लखनऊ (सं)। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी-उर्दू कॉन्क्लेव जश्न का मंगलवार को गोमती नगर के उर्दू अकादमी ऑडिटोरियम में आयोजन हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन कला, साहित्य, शिक्षा, समाज सेवा और सूफी संगीत की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां और परिचर्चाएं आयोजित की गईं। जिसमें बड़ी संख्या में कला प्रेमियों, बुद्धिजीवियों और युवाओं ने हिस्सा लिया।

पहले दिन ड्रामा कॉन्क्लेव की शुरुआत रंगमंच पर केंद्रित सत्र से हुई। जिसमें यूसुफ खान, काजल इसरानी, इशिका गुप्ता, तनिष्का शर्मा, प्रभति पांडे और अभिक्या सिंह ने नाट्य कला के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। तालीम शिक्षा के महत्व और आधुनिक चुनौतियों पर आयोजित इस सत्र का संचालन तनिष्का शर्मा ने किया। इसमें प्रो. डॉ. फरजाना मेहदी, पूर्व आईएएस अनीस अंसारी, डॉ. अजीज खान और डॉ. यूसुफ अली ने बतौर वक्ता शिरकत की। तहजीब गंगा-जमुनी तहजीब और हमारी साझा विरासत पर हुई इस खास चर्चा की मॉडरेटर प्रभति पांडे रहीं। पैनल में अस्मा हुसैन, डॉ. मलिका नसीम, डॉ. एसएन. लाल और आसिफ जाह ने अपने अनुभव साझा किए। नौजवान युवाओं की भूमिका और उनकी रचनात्मकता पर केंद्रित इस सत्र में दीप सच्चर, इशिका गुप्ता, तनिष्का शर्मा और वैष्णवी दुबे ने हिस्सा लिया। समाजी खिदमत, समाज सेवा से जुड़े इस समानांतर सत्र में फिरोज आलम ने मॉडरेटर की भूमिका निभाई। वक्ताओं के रूप में पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री अम्मार रिजवी, मुरलीधर आहूजा, शिखा सिंह और मंजू श्रीवास्तव मौजूद रहे।